



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

द० 6]

नई दिल्ली, गणवार, फरवरी 9, 1991/माघ 20, 1912

No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 9, 1991/MAGHA 20, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खंड 3—उपर्युक्त(i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा
विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक नियम (जिनमें साधारण
प्रकार के आदेश, उप नियम आदि शामिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administration of Union Territories)

योजना मंत्रालय

(सांविधिकी विभाग)

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1991

ना. का. नि. 23.—एट्टेन्डन्ट, संविधान के अनुच्छेद 309 के प्रत्यक्ष द्वारा प्रदत्त अधिकारियों का प्रयोग करने हुए और संगणक, केन्द्र समूह "ग" और
समूह "घ" (राज्यकानीकी पद) भर्ती नियम, 1980 को, जहाँ तक उनका मंत्रवंश सेवाकार के पद में है (साकानि. 980 तारीख 8-7-90), उन वर्गों के
सिवाय अधिकारियों करने हुए, विहँ गैरि अधिकारियों से गहने किया गया है या करने का सोप किया गया है, संगणक केन्द्र, सांविधिकी विभाग, नई दिल्ली में सेवाकार
के पद पर भर्ती की पदति का विनियम करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अस्ति :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संगणक केन्द्र, सांविधिकी विभाग, नई दिल्ली (सेवाकार) भर्ती नियम, 1990 है।
- (2) में नामग्रह में प्रजापति की तारीख की प्रशृङ् दी गई।

2. पद-संदर्भ, संविधिक शीर्ष नेतृत्वातः :-

उक्त पद की संविधान, उपलब्ध वर्गीकरण और उसका नेतृत्वात वह होगा जो इन नियमों से उपर्युक्त अनुसूची के स्तरम् ३ से स्तरम् (4) में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पदति, आयु-सीमा और अन्य अहेतुगाय आदि :

उक्त पद पर भर्ती की पदति, आयु-सीमा, अहेतुगाय और उसमें संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तरम् (5) से स्तरम् (11) में विनिर्दिष्ट हैं :—

मूचना और प्रमाण मंत्रालय

शिक्षिपत्र

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 1991

सा.का.नि. 94.—भारत के राजस्व भाग-2, छप्ट-3, उप छप्ट (1), दिनांक 30 अप्रैल, 1988 के पृष्ठ 1410-1438 में प्रकाशित भारत सरकार मूचना और प्रमाण मंत्रालय की प्रधिसूचना संख्या सा.का.नि. 370 जिसकी घटनाक्षी में आकाशवाणी, मिलिन भिमणि स्कंध (समृह “क” और समृह “व” पदों) के भर्ती नियम प्रधिसूचित किए गये हैं, में—

(1) कम संख्या 5 के सामने जो कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत)/संकर्म सर्वेक्षक (विद्युत) से संबंधित है, में—

(1) “प्रोफ्रेशन” शीर्षक के अन्तर्गत कालम 12 में “महायक कार्यपालक इंजीनियर” को “महायक कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत)” पढ़ा जाय और “अधीक्षक इंजीनियर” शब्द “अधीक्षक इंजीनियर (विद्युत)” या पढ़ा जाय।

(2) कालम नम्बर 14 में “नहीं” शब्द हटा दिया जाय।

(2) कम संख्या 6 के सामने जो कार्यपालक इंजीनियर (सिविल/संकर्म सर्वेक्षक (सिविल)/मुख्य इंजीनियर (मिलिन)) के इंजीनियर अधिकारी में संबंधित है, में—

(1) कालम एक में शब्दों और कोष्ठकों “कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/संकर्म सर्वेक्षक (सिविल)/मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियर अधिकारी” को “कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)/संकर्म सर्वेक्षक (सिविल)/मुख्य इंजीनियर (मिलिन) के इंजीनियर अधिकारी” पढ़ा जाय;

(2) कालम 2 में “34” को “35” पढ़ा जाय;

(3) “प्रोफ्रेशन” शीर्षक के अन्तर्गत कालम 12 में “अधीक्षक इंजीनियर के इंजीनियर सहायक” शब्द को इंजीनियर के इंजीनियर सहायक या पढ़ा जाय।

(3) कम संख्या 10 के सामने जो सहायक इंजीनियर (सिविल)/सहायक संकर्म सर्वेक्षक (मिलिन)/प्रधीक्षक इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी सहायक (मिलिन)/प्रधीक्षक संकर्म सर्वेक्षक (मिलिन) के पद में संबंधित है, में—

(1) कालम 1 में प्रधीक्षक इंजीनियर (मिलिन) के इंजीनियरी सहायक “को प्रधीक्षक इंजीनियर (मिलिन) का इंजीनियरी सहायक या”, पढ़ा जाय।

(2) कालम 2 में अंक और कोष्ठक “147*” को “151” पढ़ा जाय
(1988) (1988)

“कार्यभार पर नियंत्रण करने हुए तत्वशाली के अधीन”।

(4) कम संख्या 11 जो महायक वास्तुविद के पद से संबंधित है, में—

(1) कालम 2 में अंक “3” को “9” पढ़ा जाय;

(2) कालम 12 में मौजूदा प्रशिष्टि में पहले “स्थानान्तरण” शीर्षक पढ़ा जाय।

(5) कम संख्या 13 के सामने जो महायक इंजीनियर (विद्युत)/सहायक संकर्म सर्वेक्षक (विद्युत)/प्रधीक्षक इंजीनियर (विद्युत) के इंजीनियर महायक/प्रधीक्षक संकर्म सर्वेक्षक (विद्युत) के इंजीनियर महायक में संबंधित है, कालम 1 में शब्द प्रधीक्षक इंजीनियर (विद्युत)/प्रधीक्षक संकर्म सर्वेक्षक (विद्युत) के इंजीनियर महायक को “प्रधीक्षक इंजीनियर (विद्युत) या प्रधीक्षक संकर्म सर्वेक्षक (विद्युत) का इंजीनियर महायक” पढ़ा जाय।

नोट: सूल नियम सा.का.नि. 370 के तहत भारत के राजपत्र भाग-2, छप्ट 3 में दिनांक 30-4-88 को प्रकाशित किए गये थे और मंत्रालय के दिनांक 7-4-89 की प्रधिसूचना संख्या ए-11011/2/88-सी.उल्य-1/वी(डी) के तहत संशोधित किया गया।

[संख्या 310/25/90-वी(डी)]

पी.एम. राज, अधर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th January, 1991

G.S.R. 94.—In the Notification of Government of India in the Ministry of Information & Broadcasting No. G.S.R. 370 dated 28th March, 1988 published at Page 1410—1428 of the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-Section (i), dated April 30, 1988 notifying the All India Radio, Civil Construction Wing (Group ‘A’ and Group ‘B’ posts) Recruitment Rules, 1988, in the Schedule,—

(1) against Serial No. 5 relating to the post of Executive Engineer (Electrical)/Surveyor of Works (Electrical).—

(i) in column 12, under the heading “Promotion”, the words “Assistant Executive Engineer”, may be read as “Assistant Executive Engineer (Electrical)” and the words and sign “Superintending Engineer/” may be read as “Superintending Engineer (Electrical) or”.

(ii) in column 14, the word “not” may be omitted.

(2) against Serial No. 6 relating to the post of Executive Engineer (Civil/Surveyor of Works (Civil))/Enginner Officer to Chief Engineer (Civil).—

(i) In column 1, the words and brackets “Executive Engineer (Civil)/Surveyor of Works (Civil) Engineer Officer to Chief Engineer (Civil) may be read as “Executive Engineer (Civil)/Surveyor of Works (Civil)/Engineer Officer to Chief Engineer (Civil)”;

(ii) In column 2, the figure “34” may be read as “35”;

(iii) In column 12, under heading “Promotion” the words and sign “Engineer Assistant to Superintending Engineer/” may be read as “Engineer Assistant to Superintending Engineer or”.

(3) against Serial No. 10, relating to the post of Assistant Engineer (Civil)/Assistant Surveyor or Works (Civil)/Engi-

noer Assistant to Superintending Engineer (Civil)/Superintending Surveyor of works (Civil),—

(i) in column 1, the words and sign "Engineer Assistant to Superintending Engineer (Civil)/" may be read as "Engineer Assistant to Superintending Engineer (Civil) or";

(ii) In column 2, the figure and brackets "147*" may be read as "151*" (1988) (1988)

*Subject to variation dependent on workload".

(4) against serial No. 11 relating to the post of Assistant Architect.—

(i) in column 2, the figure "3" may be read as "9";
(ii) in column 12, before the existing entry, heading "Transfer" may be read.

(5) against Serial No. 13 relating to the post of Assistant Engineer (Electrical)/Assistant Surveyor of Works (Electrical)/Engineer Assistant to Supdtg. Engineer (Electrical)/Superintending Surveyor of Works (Electrical), in column 1, the words and sign "Engineer Assistant to Supdtg. Engineer (Electrical) Superintending Surveyor of Works (Electrical)" may be read as "Engineer Assistant to Superintending Engineer (Electrical) or Superintending Surveyor of Works (Electrical)".

Note : The principal rules were published in the Gazette of India Part II Section 3, vide G.S.R. No. 370 dated 30-4-88, Amended vide Ministry's notification No. A-11011/2/88-CW.I/B(D) dated 7-4-89.

[No. 310/25/90-B(D)]

P. M. RAJU, Under Secy.

नई शिल्पी, 24 जनवरी, 1991

सा.का.नि. 93 :—गद्यपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के पञ्चूक द्वारा प्रवत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, और मूचना और प्रसारण मंत्रालय, एजेंट विशेषक (कार्य अध्ययन) कलिञ्च विशेषक (कार्य अध्ययन) और अनुमंदान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, 1980 की जहाँ तक उनका संबंध अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) के पद से है उन बातों के सिवाय अधिकांश करते हुए ऐसे प्रशिक्षण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, मूचना और प्रसारण मंत्रालय में अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) के मध्य "ब" पद पर भर्ती की पद्धति का विज्ञप्ति करने के लिए विस्तृत नियम बनाते हैं, प्रथमः—

1. मंत्रित साम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का मंत्रित नाम मूचना और प्रसारण मंत्रालय अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियम 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन को तारीख को प्रत्यक्ष होगे।

2. पद मन्त्रा, वार्किंग और वैतनमान : उक्त पद को मन्त्रा, उक्त का वार्किंग और उनका वैतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपर्युक्त अनुसूची के स्तर २ में ४ में विविदिष्ट है।

3. भर्ती की पड़ति, आयु-सीमा आहुताएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पड़ति, आयु-सीमा आहुताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तर ५ से 14 में विविदिष्ट हैं।

4. नियमों : यह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे अविकृष्टि से जिगका पति या जिगकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या जानी पत्नी के जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियमित का पाव नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान ही जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृत विधि के अधीन अनुरूप है और ऐसा करने के लिए अन्य आवधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबन्धन से छूट दे सकेगी।

5. विधियां कानून की व्यवित्रता—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह गति है कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उसके सेवाद्वारा करके तथा संघ लोक सेवा प्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपचरण को किसी वर्ष या प्रवर्ती के घटिकों की बाबत, आदेश द्वारा विधिय करना सकेगी।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई बाल, ऐसे आवश्यकों, आयु-सीमा, में छूट और अन्य विवाहितों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिराका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूजपूर्व सनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपर्युक्त करना आवश्यक है।

अनुसूची

पद का नाम	पद की वर्गीकरण	वैतनमान	तयत पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सेवा में जोड़े हुए वर्षों का फालदा
	ग्रन्था		आयवा	वैतनमान सिविल सेवा (पेशन)	केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन)
			अन्यवान पद	आयु-सीमा	नियम, 1972 के नियम 30 के प्रधीन अनुसैद्ध है जो नहीं
1	2	3	4	5	6
अनुसंधान सहायक आय-प्राययन *कार्यमार्ग के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	8* (1989) "क" आजपत्रित के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	माध्यमिक समूह "क" आजपत्रित अनुसंधान मंत्रालय में लोक सेवा प्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपचरण को किसी वर्ष या प्रवर्ती के घटिकों की बाबत, आदेश द्वारा विधिय करना सकता है।	1640-60- व.रो.-75-	लागू नहीं। लोक।	लागू नहीं होता। लागू नहीं होता।